सजा दो मन को मधुबन सा मेरे गणराज आये है लिरिक्स

सजा दो मन को मधुबन सा,
मेरे गणराज आये है,
लगे हर गुल भी गुलशन सा,
मेरे गणराज आये है।bd।

तर्ज़ – सजादो घर को गुलशन सा।

सुदी भादों चतुर्थी को,
झुलावे गौरा गणपति को,
चमन महकेगा चन्दन सा,
मेरे गणराज आये है।bd।

है माता गौरा कल्याणी,
पिता है भोले वरदानी,
ललन है अलख निरंजन सा,
मेरे गणराज आये है।bd।

है दाता रिद्धि सिद्धि के,
है दाता ज्ञान बुद्धि के,
'पदम्' सेवक है निर्गुण सा,
मेरे गणराज आये है।bd।

सजा दो मन को मधुबन सा,
मेरे गणराज आये है,
लगे हर गुल भी गुलशन सा,
मेरे गणराज आये है।bd।

लेखक / प्रेषक – डालचन्द कुशवाह"पदम्"
भोपाल। 9827624524
गायक – जगदीश विश्वकर्मा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com